LNMUonline.com

Maithili (Hons.) Paper-I

उत्तर तिरहुता अथवा देवनागरी मे लिखू।

1. निम्नलिखित प्रश्नक उत्तर दिअ - LNMUonline.com
   (क) 'प्राचीन गीतावली'क एक गोट सम्पादकक नाम लिखू।
   (ख) अमृतकरक कविता पाठ्यक्रमक कोन पोथीमे अछि?
   (ग) 'रागतरंगिणी'क अध्यायक नाम की थिक?
   (घ) 'रागतरंगिणी'मे कतेक अध्याय अछि?
   (ङ) 'कृष्णजन्म'मे कतेक अध्याय छैक?
   (च) 'रागतरंगिणी' कोन विधाक पोथी थिक?
   (छ) राग-रागिनीक नामोल्लेख कोन पोथी मे भेल अछि?
   (ज) 'कृष्णजन्म' मे कृष्णक कोन अवस्थाक वर्णन अछि?
   (झ) की 'कृष्णजन्म' मुक्तक काव्य थिक?
   (ञ) 'कंसनारायणक पद पाठ्यक्रमक कोन पोथी मे अछि?'
2. कोनो तीन प्रश्नक उत्तर दातव्य: LNMUonline.com
   (क) 'कृष्ण जन्म' पोथीक वैशिष्ट्यक वर्णन करू।
   (ख) गोविन्द दासक काव्य प्रतिभा पर प्रकाश दिअ।
   (ग) 'मैथिली प्राचीन गीतावली'क महत्व पर प्रकाश दिअ।
   (घ) 'रागतरंगिनी'क आधार पर चतुर्भुज कविक काव्य प्रतिभा पर प्रकाश दिअ।
   (ङ) 'कृष्णजन्म'क आधार पर कृष्णक बाललीलाक वर्णन करू।
3. निम्नलिखित उद्धरण सँ कोनो दू अवतरणक सप्रसंग व्याख्या करू :
   (क) बार भुअंगम निसि अति घोर। साहस कएल विफल भेल मोर।।
   दूती कालि बड़े दुख भेल ऊनिसार। तोहि पतिअएलहुँ भेलहुँ गमारि।।
   जेन करिऊ से बोलिअ काँ लागि। सून संकेत खेपली निसि जागि।।
   कंसनारायण भूपति मान। सिव सिव सबेदिन न रह समान।।
   (ख) लता तरुअर मण्डप दीअ,
   निरमल ससधर मिति ध्वलीअ।
   पौजनाल ऐपन मल भेल,
   रात परीहन पल्लव देल।
   गावह माइ हे मंगल आए,
   वसन्त विआह वने पए जाए।
   LNMUonline.com
   (ग) जय जय श्रील रामरघुनन्दन, जनक सुता रतिकन्त।
   सुर नर वानर खचर निसाचर, जसुगुन गाव अनन्त।।
   नवदूर्वादल श्यामल सुन्दर, कंज-नयन रनवीर।
   वाम धुनर्धर दहिन निसित सर, जलधि कोटि गम्भीर।।
   (घ) कतो एक दिवस जखन बिति गेल, हरि पुनि हथगर गोरगर भेल।।
   से कोन ठाम जतम नाह जाथि, कए बेरि अंगनहुस बहराथि।।
   द्वार उपरसौं धरिआनी, हरखथि हँ सथि जसोदा रानी।।
   कय बेरि आगि हाथ सँ छीनु, कय बेरि प कला व कला बीनु।।